Shreenathji-Nathdwara

।। श्रीहरिः ।।

जगद्गुरु श्रीमद्वल्लभाचार्य के सम्प्रदाय प्रमाण

# उत्सव तथा व्रतन की टीप

विक्रम संवत् २०७४ साधारण नाम संवत्सरे ईस्वी सन् २०१७-१८

श्री वल्लभाब्द ५३९ - ५४० शालिवाहन शके १९३९ हेमलम्बी नाम संवत्सरे

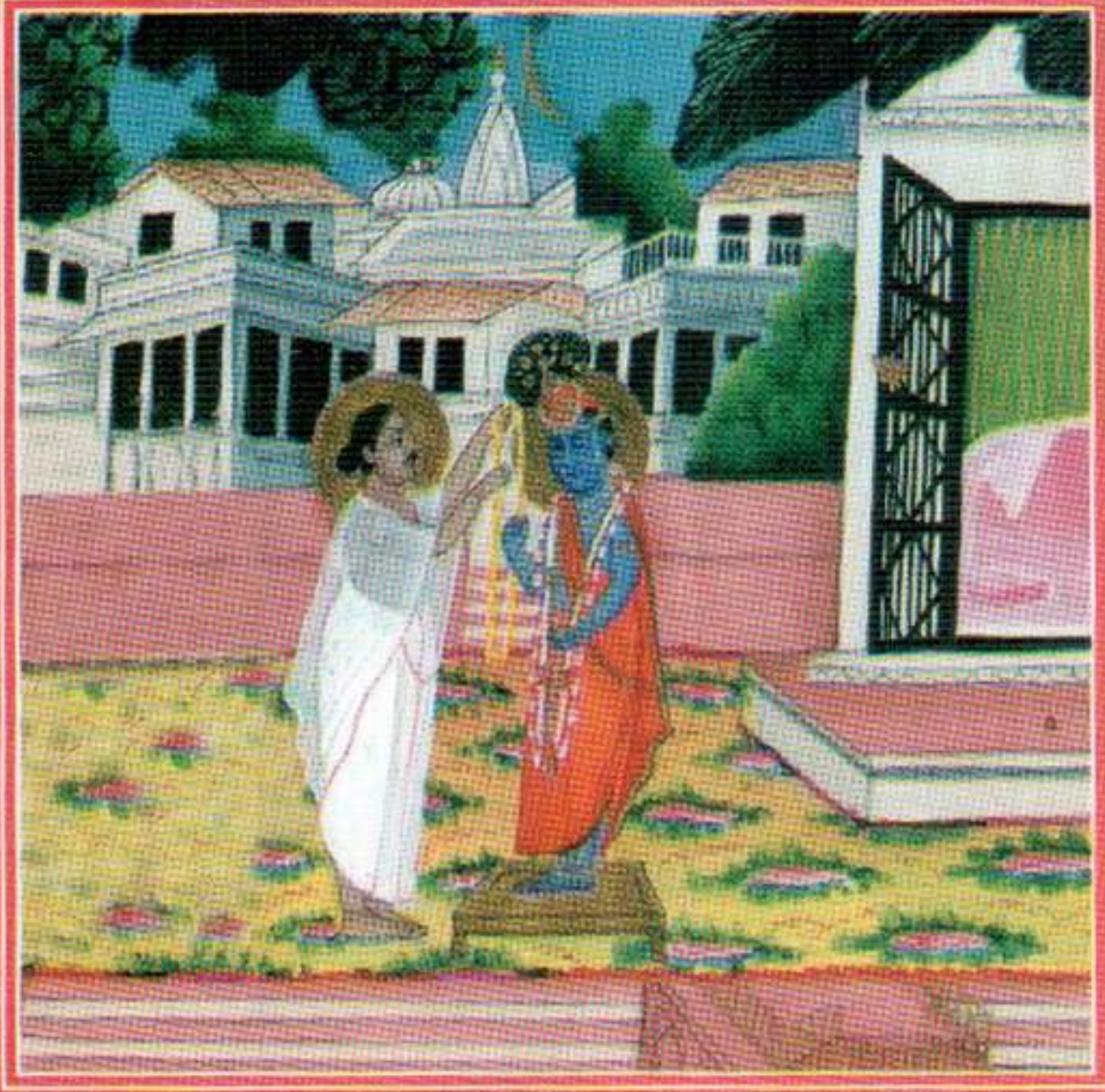

जगद्गुरु श्रीमद्वल्लभाचार्य प्रधानपीठस्थित

आचार्यवर्य्य गोस्वामि तिलकायित

श्री १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज की आज्ञासूं प्रकाशित

प्रकाशक : विद्याविभागाध्यक्ष, मन्दिर मण्डल, श्री नाथद्वारा

Shreenathji-Nathdwara

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५३६ | | | चैत्र शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|---|
| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
| ३०/१ | मंगल | 28 | मार्च, सन् २०१७ संवत्सरोत्सवः। इष्टिः। |
| २ | बुध | 29 | |
| ३ | गुरु | 30 | गणगौरी। (चूंदड़ी गणगौर) |
| ४ | शुक्र | 31 | पंचरंगी लेहरियाँ (हरि गणगौर) |
| ५ | शनि | 1 | अप्रेल, गुलाबी गणगौर |
| ६ | रवि | 2 | श्री गुसांईजी के छट्ठेलालजी श्री यदुनाथजी को उत्सव। (१६१५) केसरी गणगौर एवं यमुना छट्ठ। |
| ७ | सोम | 3 | |
| ८ | मंगल | 4 | |
| ९ | बुध | 5 | रामनवमी व्रतम्। |
| १० | गुरु | 6 | रामनवमी व्रत की पारणा। प्रातः ९ बजके १८ मिनिट पूर्व। |
| ११ | शुक्र | 7 | कामदा एकादशी व्रतम्। श्री वल्लभाचार्य चरण के उत्सव की बधाई। |
| १२ | शनि | 8 | |
| १३ | रवि | 9 | |
| १४ | सोम | 10 | |
| १५ | मंगल | 11 | इष्टिः। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५३९ | वैशाख (गु.चैत्र) कृष्णपक्षः | | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|---|
| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
| १ | बुध | 12 | |
| २ | गुरु | 13 | |
| ३ | शुक्र | 14 | मेष संक्रान्तिः। सतुआ गोपीवल्लभ या राजभोग में पुण्यकाल आज सूर्योदय से लेके मध्याह्न पर्यन्त है। तामे भी सूर्योदय के पास के २ धण्टा अति मुख्य पुण्यकाल है। अब के यह संक्रान्ति २ गुरु की रात्रि के २ बजके ०५ मिनिट पर बैठी है ता सूं पुण्यकाल आज मान्यो जायगो। श्री कूं भोग धरे पीछे दान श्राद्धादि करने। |
| ४ | शनि | 15 | |
| ५ | रवि | 16 | |
| ६ | सोम | 17 | |
| ७ | मंगल | 18 | श्री विट्ठलनाथ जी को पाटोत्सवः |
| ८ | बुध | 19 | |
| ९ | गुरु | 20 | |
| १० | शुक्र | 21 | पांच स्वरूप को उत्सव नित्य लीलास्थ गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलालजी महाराज कृत। |
| ११ | शनि | 22 | श्री वल्लभाचार्यजी (श्री महाप्रभुजी) को उत्सव। (१५३५) श्री वल्लभाब्द ५४० को प्रारम्भ। |
| १२ | रवि | 23 | वरूथिनी एकादशी व्रतम्। |
| १३ | सोम | 24 | |
| १४ | मंगल | 25 | |
| ३० | बुध | 26 | |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | वैशाख शुक्लपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | गुरु | 27 | इष्टिः। |
| २ | शुक्र | 28 | |
| ३ | शनि | 29 | अक्षय तृतीया चन्दनयात्रा त्रेतायुगादि जलकुम्भदानम्। |
| ५ | रवि | 30 | |
| ६ | सोम | 1 | मई |
| ७ | मंगल | 2 | तिलकायित श्री लालगिरधारीजी महाराज को उत्सव (१६६०) |
| ८ | बुध | 3 | |
| ९ | गुरु | 4 | |
| १० | शुक्र | 5 | |
| ११ | शनि | 6 | मोहिनी एकादशी व्रतम् । |
| १२ | रवि | 7 | |
| १३ | सोम | 8 | |
| १४ | मंगल | 9 | श्री नृसिंह जयन्ती व्रतम्। |
| १५ | बुध | 10 | |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | ज्येष्ठ (गु. वैशाख) कृष्णपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | गुरु | 11 | इष्टिः। |
| २ | शुक्र | 12 | चार स्वरूप को उत्सव ति. श्री दाऊजी महाराज कृत। |
| २ | शनि | 13 | |
| ३ | रवि | 14 | कली के शृंगार को आरम्भ। |
| ४ | सोम | 15 | |
| ५ | मंगल | 16 | |
| ६ | बुध | 17 | |
| ७ | गुरु | 18 | |
| ८ | शुक्र | 19 | |
| ९ | शनि | 20 | |
| १० | रवि | 21 | |
| ११ | सोम | 22 | अपरा एकादशी व्रतम्। |
| १२ | मंगल | 23 | |
| १३ | बुध | 24 | |
| ३० | गुरु | 25 | आज सूं लेके ज्येष्ठ शुक्ल १३ बुध तक पर्यन्त सूर्य कूं रोहिणी नक्षत्र है, ता सूं इन दिनन में श्री के अंग मे चन्दन धरावनो प्रशस्त है। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | ज्येष्ठ शुक्लपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | शुक्र | 26 | इष्टिः। |
| २ | शनि | 27 | |
| ३ | रवि | 28 | |
| ४ | सोम | 29 | |
| ५ | मंगल | 30 | श्री के नाव को मनोरथ। |
| ६ | बुध | 31 | |
| ७ | गुरु | 1 | जून |
| ८ | शुक्र | 2 | |
| ९ | शनि | 3 | |
| १० | रवि | 4 | श्री गंगादशमी दशहरा श्री यमुनाजी को उत्सव माने हे। |
| ११ | सोम | 5 | निर्जला एकादशी व्रतम्। |
| १२ | मंगल | 6 | |
| १३ | बुध | 7 | तिलकायित श्री गिरधारीजी महाराज को उत्सव। (१९००) |
| १४ | गुरु | 8 | स्नान को जल भरनो सांझ कूं जल को अधिवासन करनो। |
| १५ | शुक्र | 9 | ज्येष्ठाभिषेक (स्नान यात्रा)। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | आषाढ़ (गु. ज्येष्ठ) कृष्णपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | शनि | 10 | इष्टिः। |
| २ | रवि | 11 | |
| ३ | सोम | 12 | |
| ४ | मंगल | 13 | |
| ५ | बुध | 14 | |
| ६ | गुरु | 15 | |
| ७ | शुक्र | 16 | |
| ८ | शनि | 17 | |
| ९ | रवि | 18 | |
| १० | सोम | 19 | |
| ११ | मंगल | 20 | योगिनी एकादशी व्रतम्। |
| १२ | बुध | 21 | |
| १३ | गुरू | 22 | |
| १४ | शुक्र | 23 | |
| ३० | शनि | 24 | तिलकायित बड़े श्री गिरिधारीजी महाराज को उत्सव (१८२५)। इष्टिः। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | आषाढ़ शुक्लपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| २ | रवि | 25 | |
| ३ | सोम | 26 | रथयात्रा। |
| ४ | मंगल | 27 | |
| ५ | बुध | 28 | श्री द्वारकाधीश जी को पाटोत्सवः। |
| ६ | गुरु | 29 | कसूंभा छट्ठ। षष्ठी पण्डगू। तिलकायित श्री गोविन्दजी महाराज गादी बिराजे सो उत्सव तथा तिलकायित श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज गादी बिराजे (२०५७) |
| ७ | शुक्र | 30 | |
| ८ | शनि | 1 | जुलाई |
| ९ | रवि | 2 | |
| १० | सोम | 3 | बैंगन दशमी। |
| ११ | मंगल | 4 | देवशयनी एकादशी व्रतम्। चातुर्मास्य नियमारम्भः। कली के शृगार पूर्ण। |
| १२ | बुध | 5 | |
| १३ | गुरु | 6 | |
| १४ | शुक्र | 7 | |
| १४ | शनि | 8 | |
| १५ | रवि | 9 | पर्वात्मक उत्सव चातुर्मास्य नियमारम्भः। एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करनो तामे पूर्णिमा मुख्य। इष्टिः। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | श्रावण/(गु. आषाढ़) कृष्णपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | सोम | 10 | |
| २ | मंगल | 11 | हिन्दोलारम्भः। |
| ३ | बुध | 12 | |
| ४ | गुरु | 13 | श्री चन्द्रमा जी को पाटोत्सवः। |
| ५ | शुक्र | 14 | |
| ६ | शनि | 15 | |
| ७ | रवि | 16 | |
| ८ | सोम | 17 | जन्माष्टमी की बधाई। |
| ९ | मंगल | 18 | |
| १० | बुध | 19 | तिलकायित श्री गोवर्द्धनेश जी महाराज को उत्सव। हाण्डी उत्सव (१७६३)। |
| १२ | गुरु | 20 | कामिका एकादशी व्रतंम्। |
| १३ | शुक्र | 21 | |
| १४ | शनि | 22 | |
| ३० | रवि | 23 | हरियाली अमावस। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | श्रावण शुक्लपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | सोम | 24 | इष्टिः। |
| २ | मंगल | 25 | |
| ३ | बुध | 26 | ठकुरानी तीज मधुस्रवा। |
| ४ | गुरु | 27 | |
| ५ | शुक्र | 28 | नाग पंचमी, आपस्तम्ब हिरण्यकेशीय बौधायन काण्व माध्यन्दिन प्रभृति सर्वयजुर्वेदीन की अथर्ववेदीन की तथा ऋग्वेदीन की श्रावणी। |
| ६ | शनि | 29 | |
| ७ | रवि | 30 | |
| ८ | सोम | 31 | |
| ९ | मंगल | 1 | अगस्त, सात स्वरूप को उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत। |
| १० | बुध | 2 | |
| ११ | गुरु | 3 | पुत्रदा एकादशी व्रतम्। पवित्रारोपणं उत्थापन में सायं ४ बजके ३८ मिनिट पश्चात् याही दिन सात स्वरूप कूं पवित्रा धरायवे को विशेष उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज कृत। |
| १२ | शुक्र | 4 | गुरुन कूं पवित्रा धरावने। |
| १३ | शनि | 5 | |
| १४ | रवि | 6 | श्री विट्ठलेशराय जी महाराज को उत्सव (१६५७)। |
| १५ | सोम | 7 | रक्षाबन्धनं उत्थापन में गुसांई जी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गिरधर जी के लालजी श्री दामोदरजी महाराज को उत्सव (१६३२) खण्डग्रास चन्द्रग्रहण। ताके निर्णय पृ. २६-२७ पर अंकित हैं। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | भाद्रपद (गु. श्रावण) कृष्णपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | मंगल | 8 | इष्टिः। गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलाल जी महाराज को उत्सव (१९१७) हेम हिन्दोला। |
| २ | बुध | 9 | |
| ३ | गुरु | 10 | हिन्दोला विजय शृंगार में, कज्जली तीज। |
| ४ | शुक्र | 11 | |
| ५ | शनि | 12 | |
| ६ | रवि | 13 | |
| ७ | सोम | 14 | शयन में षष्ठी को उत्सव। विष्णु स्वामी प्राकट्योत्सव। |
| ८ | मंगल | 15 | जन्माष्टमी व्रतम्। |
| ९ | बुध | 16 | नन्द महोत्सव। |
| १० | गुरु | 17 | |
| ११ | शुक्र | 18 | अजा एकादशी व्रतम्। |
| १२ | शनि | 19 | |
| १४ | रवि | 20 | काका वल्लभ जी को उत्सव (१७०३)। |
| ३० | सोम | 21 | सोमवती अमावस्या, कुशग्रहणी अमावस। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | | | भाद्रपद शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|---|
| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
| १ | मंगल | 22 | इष्टिः। राधाष्टमी की बधाई। |
| २ | बुध | 23 | |
| ३ | गुरु | 24 | |
| ४ | शुक्र | 25 | गणेश चतुर्थी, सामवेदीन की श्रावणी। |
| ५ | शनि | 26 | ऋषि पंचमी। द्वितीय स्वरूपोत्सवः। |
| ६ | रवि | 27 | तिलकायित श्री विट्ठलेश जी महाराज को उत्सव (१७४४)। |
| ७ | सोम | 28 | |
| ८ | मंगल | 29 | राधाष्टमी। |
| ९ | बुध | 30 | |
| १० | गुरु | 31 | |
| १० | शुक्र | 1 | सितम्बर |
| ११ | शनि | 2 | परिवर्तिनी एकादशी व्रतम् (दान एकादशी)। वामन द्वादशी। नवलक्ष ग्रंथकर्त्ता श्री पुरुषोत्तमजी महाराज को उत्सव (१७१४)। |
| १२ | रवि | 3 | |
| १३ | सोम | 4 | |
| १४ | मंगल | 5 | |
| १५ | बुध | 6 | सांझी को आरम्भः। इष्टिः। श्राद्ध पक्ष को आरम्भ। ताको निर्णय पृ.२८ एवं श्राद्धपक्ष को संकल्प पृ.२९ पर लिख्यो है। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | आश्विन (गु. भाद्रपद) कृष्णपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | गुरु | 7 | |
| २ | शुक्र | 8 | |
| ३ | शनि | 9 | |
| ४ | रवि | 10 | श्री हरिराय को उत्सव (१६४७), पंचमी को क्षय होयवे सूं आज। |
| ६ | सोम | 11 | |
| ७ | मंगल | 12 | |
| ८ | बुध | 13 | श्री महाप्रभु जी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथ जी के पुत्र श्री पुरुषोत्तम जी को उत्सव (१५८७)। |
| ९ | गुरु | 14 | |
| १० | शुक्र | 15 | |
| ११ | शनि | 16 | इन्दिरा एकादशी व्रतम् (महादान)। |
| १२ | रवि | 17 | श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी को उत्सव (१५६७)। |
| १३ | सोम | 18 | श्री गुसांई जी के तीसरे लालजी श्री बालकृष्णजी को उत्सव (१६०६)। |
| १४ | मंगल | 19 | सर्वपितृ अमावस। कोट की आरती और सांझी की समाप्ति। |
| ३० | बुध | 20 | मातामह श्राद्ध। इष्टिः। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | आश्विन शुक्लपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | गुरू | 21 | नवरात्रारम्भः। |
| २ | शुक्र | 22 | |
| ३ | शनि | 23 | |
| ४ | रवि | 24 | श्री दामोदरजी (श्री दाऊजी) महाराज को उत्सव (दुहेरा-मनोरथ) १८५४ |
| ५ | सोम | 25 | |
| ६ | मंगल | 26 | |
| ७ | बुध | 27 | |
| ८ | गुरू | 28 | सरस्वती पूजनारम्भः। |
| ९ | शुक्र | 29 | |
| १० | शनि | 30 | दशहरा (विजयादशमी) सरस्वती विसर्जनम्। श्री गिरधरजी के प्रथम लालजी श्री मुरलीधर जी को उत्सव। |
| ११ | रवि | 1 | अक्टूबर, पाशांकुशा एकादशी व्रतम्। सरस्वती विसर्जनम्। |
| १२ | सोम | 2 | |
| १३ | मंगल | 3 | श्री बालकृष्ण जी को पाटोत्सवः। |
| १४ | बुध | 4 | |
| १५ | गुरू | 5 | शरद पूर्णिमा (रासोत्सव)। कार्त्तिक स्नानारम्भः। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | कार्त्तिक (गु. आश्विन) कृष्णपक्षः | | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|---|
| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
| १ | शुक्र | 6 | इष्टिः। |
| २ | शनि | 7 | |
| ३ | रवि | 8 | |
| ४ | सोम | 9 | |
| ५ | मंगल | 10 | |
| ६ | बुध | 11 | |
| ७ | गुरू | 12 | |
| ९ | शुक्र | 13 | |
| १० | शनि | 14 | |
| ११ | रवि | 15 | रमा एकादशी व्रतम्। |
| १२ | सोम | 16 | |
| १३ | मंगल | 17 | धनतेरस। |
| १४ | बुध | 18 | रूप चतुर्दशी (अभ्यंग)। |
| ३० | गुरू | 19 | दीपोत्सव (दीपावली) हटड़ी (गोकर्ण जागरणम्) कान जगाई। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | कार्त्तिक शुक्लपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | शुक्र | 20 | इष्टिः। अन्नकूटोत्सवः। गोवर्द्धन पूजा। गुर्जराणां २०७४ वर्षारम्भः। |
| २ | शनि | 21 | यम द्वितीया (भाईदूज)। |
| ३ | रवि | 22 | |
| ४ | सोम | 23 | |
| ४ | मंगल | 24 | |
| ५ | बुध | 25 | |
| ६ | गुरु | 26 | |
| ७ | शुक्र | 27 | श्री नवनीत प्रभु को व्रज में पधरायवे को विशेष उत्सव। गो.ति. १०८ श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज कृत (२०६३)। |
| ८ | शनि | 28 | गोपाष्टमी। |
| ९ | रवि | 29 | अक्षय नवमी। कृत युगादि कूष्माण्ड दानम्। |
| १० | सोम | 30 | |
| ११ | मंगल | 31 | प्रबोधिनी एकादशी व्रतम् देवोत्थापनं प्रातः ७ बजके ३८ मिनिट पूर्व। |
| १२ | बुध | 1 | नवम्बर, श्री गुसांई जी के प्रथम लालजी श्री गिरधरजी को उत्सव (१५९७) तथा पंचमलाल जी श्री रघुनाथजी को उत्सव (१६११)। |
| १३ | गुरु | 2 | |
| १४ | शुक्र | 3 | ति. श्री गोविन्दजी महाराज को उत्सव (१८७६)। |
| १५ | शनि | 4 | चार स्वरूप को उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित श्री १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज कृत चातुर्मास्य तथा कार्त्तिक के नियम की समाप्ति। गोपमासारम्भः। इष्टिः। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | मार्गशीर्ष (गु. कार्त्तिक) कृष्णपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | रवि | 5 | व्रतचर्या अथवा गोपमासारम्भः। |
| ३ | सोम | 6 | |
| ४ | मंगल | 7 | छः स्वरूप को उत्सव। तिलकायित श्री दाऊजी महाराज कृत। |
| ५ | बुध | 8 | |
| ६ | गुरु | 9 | |
| ७ | शुक्र | 10 | गो.ति. १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज को उत्सव (१९८४) |
| ८ | शनि | 11 | श्री गुसांई जी के दूसरे लालजी श्री गोविन्दराय जी को उत्सव (१५९९)। |
| ९ | रवि | 12 | |
| १० | सोम | 13 | घटा को आरम्भ (हरि घटा)। |
| ११ | मंगल | 14 | उत्पत्ति एकादशी व्रतम्। |
| १२ | बुध | 15 | श्री नवनीत प्रभु कूं व्रज सूं नाथद्वारा निज मंदिर में पधरायवे को उत्सव। गो.ति. १०८ श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज कृत (२०६३) |
| १३ | गुरु | 16 | श्री गुसांई जी के सातवे लालजी श्री घनश्याम जी को उत्सव (१६२८)। |
| १४ | शुक्र | 17 | |
| ३० | शनि | 18 | श्याम घटा। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | रवि | 19 | इष्टिः। |
| २ | सोम | 20 | दूज को चन्दा। |
| ३ | मंगल | 21 | |
| ४ | बुध | 22 | |
| ५ | गुरु | 23 | श्री मदनमोहन जी को पाटोत्सवः। |
| ६ | शुक्र | 24 | |
| ६ | शनि | 25 | |
| ७ | रवि | 26 | श्री गुसांई जी के चतुर्थ लालजी श्री गोकुलनाथजी को उत्सव (१६०८)। |
| ८ | सोम | 27 | सात स्वरूप को उत्सव। श्री गोवर्द्धनेश जी महाराज कृत। |
| ९ | मंगल | 28 | श्री गुसांई जी के उत्सव की बधाई। (लाल धटा) |
| १० | बुध | 29 | |
| ११ | गुरु | 30 | मोक्षदा एकादशी व्रतम्। |
| १२ | शुक्र | 1 | दिसम्बर। |
| १४ | शनि | 2 | |
| १५ | रवि | 3 | छप्पन भोग बलदेवजी को उत्सव कितनेक माने है। गोपमास की समाप्ति। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | पौष (गु. मार्गशीर्ष) कृष्णपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | सोम | 4 | इंष्टिः। नित्य लीलास्थ गोस्वामि तिलक श्री १०८ श्री दाऊजी (श्री राजीवजी) महाराज को उत्सव (२००५)। |
| २ | मंगल | 5 | |
| ३ | बुध | 6 | |
| ४ | गुरु | 7 | |
| ६ | शुक्र | 8 | |
| ७ | शनि | 9 | श्री गुसांईजी के ज्येष्ठ पौत्र श्री गोविन्दजी के पुत्र श्री कल्याणरायजी को उत्सव। (१६२५) |
| ८ | रवि | 10 | |
| ९ | सोम | 11 | श्री मत्प्रभुचरण श्री विट्ठलनाथ जी को उत्सव (१५७२)। |
| १० | मंगल | 12 | |
| ११ | बुध | 13 | सफला एकादशी व्रतम्। फल अवश्य भोग धरनो, फलन के दान अवश्य करनो। तिलकायित श्री गोविन्दजी महाराज को उत्सव (१७६९)। |
| १२ | गुरु | 14 | |
| १३ | शुक्र | 15 | |
| १४ | शनि | 16 | धनुर्मासारम्भः |
| १४ | रवि | 17 | |
| ३० | सोम | 18 | गोस्वामि तिलक श्री १०८ श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज के पुत्र चि.गो. श्री भूपेश कुमार जी (श्री विशाल बाबा) को जन्मदिन (२०३७)। सोमवती अमावस्या। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | पौष शुक्लपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| १ | मंगल | 19 | इष्टिः। |
| २ | बुध | 20 | |
| ३ | गुरु | 21 | |
| ४ | शुक्र | 22 | |
| ५ | शनि | 23 | |
| ६ | रवि | 24 | नित्य लीलास्थ गो. श्री १०८ श्री दामोदरलाल जी महाराज को उत्सव (१९५३)। |
| ७ | सोम | 25 | |
| ८ | मंगल | 26 | |
| ९ | बुध | 27 | |
| १० | गुरु | 28 | |
| ११ | शुक्र | 29 | पुत्रदा एकादशी व्रतम्। |
| १२ | शनि | 30 | |
| १३ | रवि | 31 | |
| १४ | सोम | 1 | जनवरी सन् २०१८ को प्रारम्भः। |
| १५ | मंगल | 2 | माघस्नानारम्भः। इष्टिः। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | माघ (गु. पौष) कृष्णपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|

| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
|---|---|---|---|
| २ | बुध | 3 | |
| ३ | गुरु | 4 | |
| ४ | शुक्र | 5 | |
| ५ | शनि | 6 | |
| ६ | रवि | 7 | |
| ७ | सोम | 8 | पीली घटा। |
| ८ | मंगल | 9 | बड़े दामोदरजी (श्री दाऊजी) महाराज को उत्सव (१७११)। |
| ९ | बुध | 10 | |
| १० | गुरु | 11 | |
| ११ | शुक्र | 12 | षट् तिला एकादशी व्रतम्। तिल की वस्तु अवश्य भोग धरनो। तिल के दान भक्षणादि करने। |
| १२ | शनि | 13 | भोगी, धनुर्मास की समाप्ति। |
| १३ | रवि | 14 | मकर संक्रान्तिः। तिलवा उत्थापन में ता पीछे दान श्राद्धादि करने। पुण्यकाल दिन के १ बजके ४७ मिनिट सूं लेके सूर्यास्त ६ बजके ५ मिनिट तक। तामे भी संक्रान्ति के पास के २ घंटा अति मुख्य पुण्यकाल है। अब के यह संक्रान्ति आज दिन के १ बजके ४७ मिनिट पर बैठे है। उत्तरायण। |
| १४ | सोम | 15 | |
| ३० | मंगल | 16 | |
| ३० | बुध | 17 | इष्टिः। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | | | माघ शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|---|
| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
| १ | गुरु | 18 | |
| २ | शुक्र | 19 | |
| ३ | शनि | 20 | |
| ४ | रवि | 21 | श्री मुकुन्दराय जी को पाटोत्सवः। |
| ५ | सोम | 22 | बसन्त पंचमी |
| ६ | मंगल | 23 | |
| ७ | बुध | 24 | |
| ८ | गुरु | 25 | |
| ९ | शुक्र | 26 | |
| १० | शनि | 27 | |
| ११ | रवि | 28 | जया एकादशी व्रतम्। |
| १३ | सोम | 29 | |
| १४ | मंगल | 30 | |
| १५ | बुध | 31 | माघस्नान की समाप्ति। ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्रग्रहण नाथद्वारा में दृश्य निर्णय पृष्ठ ३०-३१ पर लिख्यो है। होरी डांडो दण्डारोपणम् आज ग्रहण के मोक्ष भये उपरान्त रात्रि के ८ बजके ४२ मिनिट पश्चात् याही समय धमार को आरम्भ, रोपणी को उत्सव। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | फाल्गुन (गु. माघ) कृष्णपक्षः | | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|---|
| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
| १ | गुरु | 1 | फरवरी, इष्टिः। |
| २ | शुक्र | 2 | |
| ३ | शनि | 3 | |
| ४ | रवि | 4 | |
| ५ | सोम | 5 | |
| ६ | मंगल | 6 | |
| ७ | बुध | 7 | श्रीनाथजी को पाटोत्सवः। |
| ८ | गुरु | 8 | |
| ९ | शुक्र | 9 | |
| १० | शनि | 10 | |
| ११ | रवि | 11 | विजया एकादशी व्रतम्। |
| १२ | सोम | 12 | |
| १३ | मंगल | 13 | |
| १४ | बुध | 14 | |
| ३० | गुरु | 15 | |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | | फाल्गुन शुक्लपक्षः | विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|---|
| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
| १ | शुक्र | 16 | इष्टिः। |
| २ | शनि | 17 | |
| ३ | रवि | 18 | |
| ४ | सोम | 19 | |
| ५ | मंगल | 20 | |
| ६ | बुध | 21 | |
| ७ | गुरु | 22 | श्री मथुरेशजी को पाटोत्सवः। श्री गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज को जन्मदिन (२००६)। |
| ८ | शुक्र | 23 | होलिकाष्टकारम्भः। |
| ९ | शनि | 24 | |
| १० | रवि | 25 | |
| ११ | सोम | 26 | आमलकी (कुंज) एकादशी व्रतम्। |
| १२ | मंगल | 27 | |
| १३ | बुध | 28 | |
| १४ | गुरु | 1 | मार्च, होली होलिका प्रदीपनं सूर्यास्तानन्तरं सायं ७ बजके ३९ मिनिट पश्चात्। |

Shreenathji-Nathdwara

| वल्लभाब्द ५४० | | | चैत्र (गु. फाल्गुन) कृष्णपक्षः विक्रमाब्द २०७४ |
|---|---|---|---|
| तिथि | वार | दि. | उत्सव |
| १ | शुक्र | 2 | इष्टिः। धूलिवन्दन (धुरेण्डी)। |
| २ | शनि | 3 | दोलोत्सव (डोल)। |
| ३ | रवि | 4 | द्वितीया पाट। |
| ४ | सोम | 5 | |
| ५ | मंगल | 6 | |
| ६ | बुध | 7 | |
| ७ | गुरु | 8 | |
| ८ | शुक्र | 9 | |
| ९ | शनि | 10 | |
| ९ | रवि | 11 | |
| १० | सोम | 12 | |
| ११ | मंगल | 13 | पापमोचिनी एकादशी व्रतम्। |
| १२ | बुध | 14 | |
| १३ | गुरु | 15 | |
| १४ | शुक्र | 16 | |
| ३० | शनि | 17 | वर्षे हर्षः प्रकर्षः स्यात्।। |

Shreenathji-Nathdwara

## श्री गोकुलनाथ जी के वचनामृत / तीज तेरस एक, पंचमी पूनो एक

| पौ. | मा. | फा. | चै. | वै. | ज्ये. | आ. | श्रा. | भा. | आ. | का. | मृ. | महिना तिथिन के फल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | बहोत सुख होय, क्लेश न होय, अर्थ पूर्ण होय |
| २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १ | महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय |
| ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १ | २ | अर्थपूर्ण होय, कामनापूर्ण होय |
| ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १ | २ | ३ | क्लेश होय, जीव नाश होय, कुशल सूं घर नहीं आवे |
| ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १ | २ | ३ | ४ | वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे |
| ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १ | २ | ३ | ४ | ५ | महाचिन्ता होय, वियोग कदाचित् घर आवे |
| ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | सौभाग्य पावे, रत्न सहित भलीभांति सूं घर आवे |
| ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | मिलवो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश होय |
| ९ | १० | ११ | १२ | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावे, कामना सिद्ध होय |
| १० | ११ | १२ | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | सौभाग्य पावे, दिन बहुत लगे, कुशल सूं घर आवे |
| ११ | १२ | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | क्लेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावे नहीं |
| १२ | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | मार्ग में सिद्धि, मित्र मिले, विघ्न मिटे, धन को लाभ होय |

टिप्पणी व पुस्तकें मिलने का स्थान :- श्री गोवर्धन पुस्तकालय, मोतीमहल चौक, श्रीनाथ जी का मंदिर, नाथद्वारा -313301 (राजस्थान)

गणितकर्ता : त्रिपाठी राजेश्वर यदुनन्दन जी शास्त्री 9414473016

सीमा प्रिन्टर्स, उदयपुर # 9829556433